RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 257
दि. 18.05.2025, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

मेट्रो में रोजाना सफर करने वालों की संख्या 3 वर्ष में चार गुना बढ़ी, दैनिक यात्रियों की संख्या 35 हजार से डेढ़ लाख तक पहुंची

अक्टूबर 2022 से दिसंबर 2025 के दौरान 11.50 करोड़ से अधिक लोगों ने मेट्रो में यात्रा की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गत 11 जनवरी को महात्मा मंदिर तक मेट्रो सेवा का शुभारंभ किया

गांधीनगर, (जीएनएस)। अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो सेवा आज तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन का एक मजबूत उदाहरण बन गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गत 11 जनवरी को अहमदाबाद मेट्रो रेल फेज-2 के तहत गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर तक मेट्रो सेवा का शुभारंभ किया था। अब महात्मा मंदिर तक मेट्रो नेटवर्क का विस्तार होने से अहमदाबाद और गांधीनगर के बीच कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी, साथ ही नागरिकों की यात्रा और भी सुगम एवं किफायती होगी।

हजारों कर्मचारियों, छात्रों एवं पर्यटकों को होगा लाभ

यात्रियों और पर्यटकों को अब महात्मा मंदिर मेट्रो स्टेशन से गांधीनगर रेलवे स्टेशन तक सीधी कनेक्टिविटी भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा, मेट्रो के जरिए अक्षरधाम मंदिर और दांडी कुटीर जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। मेट्रो नेटवर्क के इस विस्तार के कारण हजारों कर्मचारियों, छात्रों और पर्यटकों को बड़ा लाभ होगा। विशेषकर, महात्मा मंदिर में होने वाले राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में आने वाले अतिथियों तथा कड़ी सर्व विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी।

अक्टूबर 2022 से दिसंबर 2025 के दौरान 11.50 करोड़ से अधिक लोगों ने किया मेट्रो में सफर

अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो सेवा के कारण पिछले 3 वर्षों में यात्रियों को किफायती और कुशल शहरी परिवहन का अनुभव मिला है। अक्टूबर 2022 से दिसंबर 2025 के दौरान कुल 11.50 करोड़ से अधिक यात्रियों ने मेट्रो में सफर किया है।

मासिक आंकड़ों को देखें, तो वर्ष 2023 के दौरान प्रतिमाह औसतन 12 से 27 लाख यात्रियों ने मेट्रो का उपयोग किया। वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर लगभग 27 से 35 लाख प्रतिमाह दर्ज की गई। वहीं, वर्ष 2025 में इस आंकड़े में बड़ा उछाल देखने को मिला। विशेषकर जुलाई और सितंबर में प्रतिमाह 44 लाख से अधिक यात्रियों ने मेट्रो सेवा का लाभ उठाया।

कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के दौरान 2 दिनों में रिकॉर्ड 4.11 लाख यात्रियों ने मेट्रो का लाभ उठाया

गत वर्ष अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आयोजित आईपीएल मैचों और कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के दौरान लाखों लोगों ने मेट्रो से सफर करने को तरजीह दी। आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों एवं रथयात्रा जैसे कार्यक्रमों के दौरान यात्रियों की संख्या 1.6 से 2.1 लाख दर्ज की गई। जबकि, 25 और 26 जनवरी, 2025 को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के दौरान कुल 4.11 लाख से अधिक यात्रियों ने मेट्रो सेवा का उपयोग किया, जो बड़े अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में मेट्रो की क्षमता और विश्वसनीयता को दशार्ता है।

अहमदाबाद-गांधीनगर मेट्रो : 68 किमी का नेटवर्क, 53 स्टेशन और लाखों यात्रियों का बढ़ता विश्वास

मेट्रो फेज-2 के पूरा होने से गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (जीएमआरसी) द्वारा विकसित 68 किमी का मेट्रो नेटवर्क अब 53 स्टेशनों को कवर करेगा। महात्मा मंदिर तक मेट्रो सेवा शुरू होने से निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी, यातायात की समस्या से निजात मिलेगी और यात्रियों को किफायती एवं पर्यावरण अनुकूल सफर का विकल्प मिलेगा। मेट्रो के व्यापक विस्तार से एक ऐसी एकीकृत प्रणाली बनी है, जो राज्य के नागरिकों को दशकों तक सेवाएं देगी। अहमदाबाद मेट्रो रेल एक्सटेंशन गुजरात की वैश्विक अर्बन सेंटर बनने की यात्रा में एक अहम मील का पत्थर बन गया है।

19 जनवरी 2026 पुणे में पीएम-सेतु उद्योग कार्यशाला का आयोजन

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई), महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से 19 जनवरी 2026 को पुणे में एक महत्वपूर्ण उद्योग परामर्श का आयोजन करेगा। यह परामर्श प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप घोषित एक ऐतिहासिक पहल, पीएम-सेतु (उन्नत आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार क्षमता परिवर्तन) के क्रियान्वयन का भाग है जिसका उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कार्यबल का निर्माण करना है। यशवंतराव चव्हाण विकास प्रशासन अकादमी (यशादा) में आयोजित इस परामर्श का उद्देश्य उद्योग की भागीदारी को बढ़ावा देना और योजना के उद्योग-उन्मुखी कार्यान्वयन ढांचे के बारे में जानकारी देना है। निर्माण, वस्त्र, ऑटोमोटिव, एफएमसीजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, तेल एवं गैस तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली 50 से अधिक पात्र कंपनियां इसमें भाग लेंगी। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी, महाराष्ट्र सरकार के कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग की अपर मुख्य सचिव सुश्री मनीषा वर्मा के साथ परामर्श की अध्यक्षता करेंगी और क्षेत्र के आईटीआई और उद्योगों का दौरा भी करेंगी।

'सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली', अहिल्याबाई मामले पर सीएम ने कांग्रेस पर किया तंज; जमकर बरसे

वाराणसी। सीएम योगी आदित्यनाथ के वाराणसी आगमन को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में है। उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारवार्ता की। सीएम ने अहिल्याबाई मामले को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस लगातार देश की जनता को दिग्भ्रमित कर रही है। इनकी ओछी राजनीति को समझने की जरूरत है।

जब काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण हो रहा था, तब भी कुछ लोगों ने साजिशें रची थीं। यहां तक कि जिन वर्कशॉप में मूर्तियां बनती हैं, वहां से टूटी हुई मूर्तियों के अवशेष लाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए और सफेद झूठ फैलाया गया कि मंदिर तोड़े जा रहे हैं।"

कांग्रेस पर यह सीधा हमला बोला उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने। मुख्यमंत्री शनिवार को वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन करने के बाद पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे।

दरअसल पिछले एक-दो दिनों से

सोशल मीडिया पर काशी के मंदिर व मणिकर्णिका घाट को तोड़ने के कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन्हीं आरोपों का जवाब देने के लिए सीएम खुद मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने इन वीडियो की सत्यता को सिरे से खारिज करते हुए कहा, यहां पर पिछले 11 वर्षों में हुए समग्र विकास की परियोजना को बाधित करने के लिए जो साजिशें रची जा रही हैं और जिस प्रकार का दुष्प्रचार किया जा रहा है, इसके बारे में सही तथ्य जनता के सामने आ सकें, इसीलिए मुझे आज यहां पर आना पड़ा।

उन्होंने कहा कि काशी के प्रति हर सनातन धर्मावलम्बी व हर भारतवासी अपार श्रद्धा का भाव रखता है, लेकिन स्वतंत्र भारत में काशी को जो सम्मान मिलना चाहिए था, काशी का जो विकास होना चाहिए था, वो नहीं हुआ। पिछले 11 वर्षों में काशी एक बार फिर अपनी आध्यात्मिक व सांकृतिक विरासत का संरक्षण करते हुए उनका संवर्धन कर रही है और भौतिक विकास के माध्यम से नई ऊंचाइयों को भी प्राप्त कर रही है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा हाट 2026 का आयोजन 18 से 31 जनवरी तक नई दिल्ली के दिल्ली हाट में किया जाएगा

भारत सरकार का सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई)

पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत कारीगरों और शिल्पकारों को समर्पित एक प्रदर्शनी, पीएम विश्वकर्मा हाट 2026 का आयोजन कर रहा है। यह प्रदर्शनी 18 से 31 जनवरी 2026 तक दिल्ली हाट, आईएनए, नई दिल्ली में होगी और सुबह 10:30 बजे से रात 10:00 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगी।

पीएम ने 3,250 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई रेल और सड़क बुनियादी परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नींव रखी

आज भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। भारत में वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू की जा रही हैंः प्रधानमंत्री

यह देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है जो माता काली की भूमि को माता कामाख्या की भूमि से जोड़ती है; आने वाले समय में यह आधुनिक ट्रेन का पूरे देश में विस्तार किया जाएगा; मैं बंगाल, असम और पूरे देश को इस आधुनिक स्लीपर ट्रेन के लिए बधाई देता हूंः प्रधानमंत्री

आज बंगाल को चार और आधुनिक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिली हैं; न्यू जलपाईगुड़ी-नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस, अलीपुरद्वार-बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस, अलीपुरद्वार-मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस; इससे बंगाल, और विशेष रूप से उत्तर बंगाल का दक्षिण और पश्चिम भारत से संपर्क और मजबूत होगाः प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मालदा में 3,250 करोड़ रुपये की लागत वाली कई रेल और सड़क बुनियादी परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नींव रखी। इनका उद्देश्य पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में संपर्क को मजबूत करना और विकास को गति देना है। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज मालदा से पश्चिम बंगाल की प्रगति को गति देने के अभियान को और गति मिली है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल के

विकास से संबंधित कई परियोजनाओं का अभी-अभी उद्घाटन और लोकार्पण किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लिए नई रेल सेवाएं शुरू की गई हैं जिनसे लोगों की यात्रा आसान होगी और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने जोर दिया कि यहां स्थापित नई रेल रखरखाव सुविधाएं बंगाल के युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान करेंगी।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि बंगाल की पवित्र भूमि से भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि आज से भारत में वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन नागरिकों की लंबी यात्राओं को अधिक आरामदायक और शानदार बनाएगी।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विकसित भारत में ट्रेनों का स्वरूप इस वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में स्पष्ट रूप से झलकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ देर पहले उन्होंने मालदा स्टेशन पर कुछ यात्रियों से बातचीत की और सभी ने कहा कि इस ट्रेन में यात्रा करना एक असाधारण अनुभव था। उन्होंने याद दिलाया कि पहले लोग विदेशी ट्रेनों की तस्वीरें देखकर भारत में ऐसी ट्रेनों की कामना करते थे और आज उनका यह सपना साकार हो रहा है। श्री मोदी ने आगे कहा कि हाल के दिनों में विदेशी पर्यटक भारतीय रेलवे में हो रहे क्रांतिकारी बदलावों के वीडियो बना रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह वंदे भारत ट्रेन 'मेड इन इंडिया' है जो भारतीयों की मेहनत और समर्पण से बनी है। श्री मोदी ने कहा कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मां काली की भूमि को मां कामाख्या की भूमि से जोड़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में इस आधुनिक ट्रेन का पूरे देश में विस्तार होगा और उन्होंने इस आधुनिक स्लीपर ट्रेन के लिए बंगाल, असम और पूरे देश को बधाई दी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारतीय रेलवे विद्युतीकरण और स्टेशनों के आधुनिकीकरण के साथ परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने बताया कि आज पश्चिम बंगाल सहित देश भर में 150 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके साथ ही आधुनिक और उच्च गति वाली ट्रेनों का एक संपूर्ण नेटवर्क विकसित किया जा रहा है, जिससे बंगाल के गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को काफी लाभ मिल रहा है। उन्होंने घोषणा की कि बंगाल को चार और आधुनिक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिली हैं – न्यू जलपाईगुड़ी-नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-तिरुचिरापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस, अलीपुरद्वार-बेंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस और अलीपुरद्वार-मुंबई अमृत भारत एक्सप्रेस। उन्होंने जोर दिया कि ये ट्रेनें बंगाल, विशेष रूप से उत्तरी बंगाल, और दक्षिण और पश्चिमी भारत के बीच संपर्क को मजबूत करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों से गंगासागर, दक्षिणेश्वर और कालीघाट जाने वाले तीर्थयात्रियों के साथ-साथ तमिलनाडु और महाराष्ट्र जाने वाले यात्रियों की यात्रा भी आसान हो जाएगी।

श्री मोदी ने जोर देते हुए कहा कि भारतीय रेलवे न केवल आधुनिक बन रहा है बल्कि आत्मनिर्भर भी हो रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत के रेल इंजन, कोच और मेट्रो कोच भारत की प्रौद्योगिकी के प्रतीक के रूप में उभर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) बी. सी. खंडूरी से मुलाकात की

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) बी. सी. खंडूरी से देहरादून स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। यह मुलाकात भले ही पूर्व निर्धारित नहीं थी, लेकिन इसने दोनों नेताओं के बीच गहरे व्यक्तिगत संबंधों और लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को दशार्या। दशकों की जनसेवा के दौरान विकसित हुए आपसी सम्मान और सौहार्द ने इस मुलाकात को और भी खास बना दिया।

राज्य सरकार और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के बीच इन्वेस्टमेंट लेटर हैंड ओवर सेरेमनी आयोजित

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल एवं मारुति सुजुकी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हिसाशी ताकेउची रहे उपस्थिति

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में गुजरात का एक और ठोस कदम

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड खोरज में 35 हजार करोड़ रुपए के निवेश से प्रति वर्ष कुल 10 लाख कारों के उत्पादन का नया प्लांट विकसित करेगी

12 हजार लोगों को संभावित रोजगार के अवसर मिलेंगे

उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की प्रेरक उपस्थिति

गांधीनगर, (जीएनएस)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'मेक इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में

देश के विकास रोल मॉडल राज्य गुजरात ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में एक और ठोस कदम उठाया है।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड खोरज में जीआईडीसी द्वारा उपलब्ध कराई गई 1750 एकड़ भूमि पर 35 हजार करोड़ रुपए के निवेश से व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग के नए प्लांट की स्थापना करेगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल एवं मारुति सुजुकी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हिसाशी ताकेउची की उपस्थिति में गांधीनगर में इस प्लांट के निवेश के लिए इन्वेस्टमेंट लेटर हैंड ओवर सेरेमनी आयोजित की गई।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी तथा मारुति सुजुकी के होल-टाइम डायरेक्टर एवं एक्जीक्यूटिव कमिटी मेंबर श्री सुनील कक्कर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मारुति के इस नए प्लांट से संभावित रूप से 12 हजार से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी का मध्य प्रदेश के विदिशा का दौरा

(जीएनएस)।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध विदिशा जिले के प्रगति को नई गति देते हुए 4,400 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश से 181 किमी कुल लंबाई की 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं एवं 3 ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर का मुख्यमंत्री श्री डॉ. मोहन यादव जी, केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी, राज्य के लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह जी, अन्य मंत्री गण तथा सांसदों-विधायकों, अधिकारीयों और गणमान्यों की उपस्थिति में लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

आज लोकार्पित हुई परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-46 के ओबेदुल्लागंज-इटारसी खंड से संबंधित है, जहां रातापानी वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में शेष 4-लेन मार्ग का निर्माण पूर्ण किया गया है। इस मार्ग के बनने से भोपाल से इटारसी के बीच की यात्रा अधिक सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध होगी। साथ ही नियंत्रित यातायात व्यवस्था से पर्यावरण संरक्षण और सड़क सुरक्षा को भी लाभ मिलेगा।

वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही के लिए एनिमल अंडरपास, ध्वनि प्रदूषण कम करने हेतु इंसुलेटेड पॉलीकाबोर्नेट पैनलों से बने साउंड-प्रूफ कॉरिडोर तथा 4-लेन सड़क जैसी व्यवस्थाएं की गई है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष और दुर्घटनाओं में कमी आएगी। इसके साथ ही सीआरआईएफ के अंतर्गत देहगांव-बम्होरी मार्ग के निर्माण से क्षेत्रीय संपर्क सदृढ़ हुआ है। इस मार्ग से किसानों और स्थानीय लोगों को कृषि उत्पादों के तेज परिवहन तथा स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक बेहतर पहूंच मिलेगी, जिससे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बल मिलेगा।

शिलान्यास की गई परियोजनाओं में राष्ट्रीय राजमार्ग-146 से जुड़ी प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के बनने से भोपाल, विदिशा और सागर क्षेत्र के बीच तेज, सुरक्षित और निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा। साथ ही व्यापार, उद्योग और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। सागर शहर में भारी यातायात के दबाव को कम करने के लिए 4-लेन ग्रीनफील्ड वेस्टर्न बाईपास का निर्माण किया जाएगा। इससे शहर के भीतर ट्रैफिक घटेगा और लंबी दूरी के वाहनों को निर्बाध मार्ग मिलेगा।

मध्य प्रदेश के विदिशा-बगरोद, सागर-भापेल और छापरी में 7.50 करोड़ रुपए की लागत से ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर बन रहे है। यह केंद्र वैज्ञानिक प्रशिक्षण देकर कुशल चालक तैयार करेंगे, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण, रोजगार और परिवहन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही आसपास छोटे व्यवसाय और सेवाएं विकसित होंगी। यह पहल सुरक्षा, कौशल एवं आर्थिक विकास को मजबूत करेगी।

कार्यक्रम के दौरान श्री गडकरी जी ने आज 16,000 करोड़ रुपए के निवेश से कोटा-विदिशा-सागर इस नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे की घोषणा की। 4,000 करोड़ की लागत से विदिशा के उत्तरी बाईपास की भी उन्होंने आज घोषणा की। साथ ही सीआरआईएफ में सड़क निर्माण कार्य के लिए 1600 करोड़ रुपए की घोषणा की।

रक्षा उत्पादन सचिव तीसरी भारत-केन्या रक्षा प्रदर्शनी और संगोष्ठी के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे

20 भारतीय कंपनियां रक्षा उत्पादों की व्यापक श्रृंखला का प्रदर्शन करेंगी

प्रविष्टि तिथिः 17 खअठ 2026 7:55ढट‍ु८ ढक्ह ऊ

रक्षा उत्पादन सचिव श्री संजीव कुमार के नेतृत्व में एक चार सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल 19 से 21 जनवरी, 2026 तक केन्या की आधिकारिक यात्रा पर रहेगा। रक्षा उत्पादन सचिव 19 जनवरी, 2026 को नैरोबी में आयोजित होने वाली तीसरी भारत-केन्या रक्षा प्रदर्शनी और संगोष्ठी में भारत के रक्षा विनिर्माण और निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन रक्षा उत्पादन विभाग की 'ब्रांड इंडिया'योजना के तहत किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की 20 भारतीय रक्षा कंपनियां भाग लेंगी, जो रक्षा उत्पादों और सेवाओं की व्यापक श्रृंखला का प्रदर्शन करेंगी।

सम्पादकीय

कर्ज के सहारे भविष्य

कर्ज की बुनियाद पर खड़ा भविष्यः सिमटती बचत और खोखला होता युवा भारत, सब जानते हैं कि भारत की पहचान कभी 'बचत करने वाले समाज' के रूप में थी। हमारे संस्कारों में यह रचा-बसा था कि कमाओ दस, तो बचाओ चार। लेकिन आज की चकाचौंध ने इस जीवन दर्शन को उलट दिया है। आज का मंत्र है- कमाओ दस, तो उड़ाओ बीस। यह लेख केवल युवाओं की बिगड़ती आदतों पर नहीं, बल्कि उस आर्थिक गर्त पर है जिसमें हमारा राष्ट्र अनजाने में गिर रहा है। बचत का गिरता ग्राफः हालिया आर्थिक आंकड़े बताते हैं कि भारत की शुद्ध घरेलू बचत जीडीपी के अनुपात में दशकों के निचले स्तर पर आ गई है। जब किसी देश की घरेलू बचत गिरती है, तो इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य की अनिातिताओं के लिए हमारे पास सुरक्षा कवच नहीं है। जिस समाज के पास बचत नहीं होती, वह समाज अपनी आजादी अंततः साहूकारों और विदेशी शत्तियों के पास गिरवी रख देता है। आज का युवा वर्ग जीडीपी के विकास में योगदान तो दे रहा है, लेकिन वह योगदान 'उत्पादन' से अधिक अंधाधुंध उपभोग पर आधारित है। यह विकास नहीं हो सकता। कोरोना की त्रासदी और अधूरी सीख- माना जा रहा था कि कोरोना संकट के भयावह दौर के बाद लोग जीवन की नश्वरता और आर्थिक सुरक्षा के महत्व को समझेंगे। लेकिन हुआ उल्टा, जोकि दुखद है। महामारी के बाद 'रिवेंज स्पेंडिग' का दौर आया जिसने युवाओं को विवेकहीन बना दिया। संकट से सीख लेने के बजाय, लोगों ने कल किसने देखा है के नाम पर और अधिक फिजूलखचा शुरू कर दी। परिणामस्वरूप जिस पैसे को स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा में लगना चाहिए था, वह पब, परटियों, महंगे गैजेट्स और लग्जरी कारों में बह रहा है। जेन-जी और डिजिटल गुलामी का मायाजाल - आज की पीढ़ी ऑनलाइन लोन और व्रेडिट कार्ड के उस दलदल में पंसी है जहाँ से निकलना नामुमकिन सा होता जा रहा है। आज का युवा अपनी औकात से बाहर जाकर केवल लाइक और कमेंट्स के लिए खर्च कर रहा है। नशे का व्यापारः नशे ने युवाओं की निर्णय लेने की क्षमता को खत्म कर दिया है।

एक तरफ शरीर बीमारियों का घर बन रहा है और दूसरी तरफ दिमाग कर्ज की किश्तों के बोझ तले विवेकशून्य हो रहा है। अनुशासनहीन जीवनः रातों में पाटा, दिन में देर तक सोना और धूम्रपान को 'वूल' समझना यह आधुनिकता नहीं, बल्कि आत्मघाती मानसिक रोग है। यह एक कड़वा सच है कि सरकार की वुछ नीतियां भी जाने-अनजाने में इस उपभोगवाद की आग में घी डाल रही हैं। हर तरफ से केवल खर्च करो का शोर है। विज्ञापन और ई-कॉमर्स वंपनियां युवाओं को अपनी लालच के जाल में पंसा रही हैं।

बचत योजनाओं का अभावः सरकार को उपभोग के बजाय बचत पर आधारित प्रोत्साहनों की झड़ी लगानी चाहिए। जिस तरह बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ एक अभियान बना, वैसे ही युवा बचाओ, बचत बढ़ाओ' को एक राष्ट्रीय आंदोलन बनाना होगा। सनातन माग:अंतिम विकल्प - भारतीय संस्वृति ने सदैव संतुलित जीवन का मार्ग दिखाया है। रामायण में भरत का चरित्र हो या विदुर नीति, हर जगह धन के अपव्यय को पाप माना गया है।

ठमितम ददाति ही पिता, मितम भ्राता मितम सुतः। अमितस्य हि दातारं भतारं का न पूजयेत ?ठ यदि आज हमने बचत नहीं की, तो कल हम अपनी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए भी कर्ज लेंगे। कर्ज पर टिका जीवन कभी भी 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना पूरा नहीं कर सकता। अगर अब भी हम नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां केवल 'उपभोत्ता' बनकर रह जाएंगी, 'उत्पादक' नहीं। युवाओं को समझना होगा कि नशे की लत और डिजिटल त्रण आपको तात्कालिक खुशी तो दे सकते हैं, लेकिन वे आपको और आपके परिवार को धीरे-धीरे आर्थिक आत्मघात की ओर ही धकेल रहे हैं।

विंग्स इंडिया 2026 नई ऊँचाइयां छूने को तैयारः एशिया का सबसे बड़ा नागर विमानन आयोजन वैश्विक विमानन के भविष्य को प्रदर्शित करेगा

विंग्स इंडिया की थीमः 'इंडियन एविएशनः पेविंग द फ़्यूचर - फ्रॉम डिजाइन टु डेप्लॉयमेंट, मैन्यूफैक्चरिंग टु मेंटिनेंस, इंक्ल्यूसिविटी टु इनोवेशन एण्ड सेफ़्टी टु सस्टेनेबिलिटी'

(जीएनएस)।

एशिया के सबसे बड़े नागर विमानन कार्यक्रम 'विंग्स इंडिया 2026' का औपचारिक शुभारंभ, भारत तथा विदेश के कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में, नागर विमानन मंत्री श्री राममोहन नायडू के नेतृत्व में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ किया जाएगा। यह शुभारंभ हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर 28 से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले चार दिवसीय वैश्विक विमानन सम्मेलन की शुरूआत का प्रतीक होगा।

'इंडियन एविएशनः पेविंग द फ़्यूचर - फ्रॉम डिजाइन टु डेप्लॉयमेंट, मैन्यूफैक्चरिंग टु मेंटिनेंस, इंक्ल्यूसिविटी टु इनोवेशन एण्ड सेफ़्टी टु सस्टेनेबिलिटी' विषय पर आधारित, विंग्स इंडिया 2026 भारत के तीव्र गति से विस्तार पाते विमानन परिदृश्य, उसकी बढ़ती वैश्विक उपस्थिति तथा विनिर्माण, सेवाओं, नवाचार और स्थायी विमानन समाधानों के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने के उसके विजन को रेखांकित करेगा।

विमानन उत्कृष्टता के लिए एक वैश्विक मंच

विंग्स इंडिया 2026 में एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी, स्थिर विमान प्रदर्शन, उड़ान एवं एरोबेटिक शो, उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सीईओ राउंडटेबल चचाएँ, बी2बी और बी2जी बैठकें, विमानन रोजगार मेला, पुरस्कार समारोह तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होंगे। विश्वभर से प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों की उपस्थिति अपेक्षित है, जो इस आयोजन की प्रतिष्ठा को एक प्रमुख वैश्विक विमानन मंच के रूप में और सुदृढ़ करेगी।

विमानन मूल्य श्रृंखला के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय हितधारक इस आयोजन में भाग लेंगे, जिनमें एयरलाइंस, विमान एवं इंजन निमार्ता, एमआरओ, हवाई अड्डा विकासकर्ता, ओईएम, प्रौद्योगिकी प्रदाता, प्रशिक्षण संस्थान तथा सर्विस पार्टनर्स शामिल हैं। यह आयोजन नीति-निमार्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं, नवप्रवर्तकों और निवेशकों के लिए एक समन्वय मंच के रूप में कार्य करेगा, जहाँ भारत और विश्व स्तर पर नागर विमानन के भविष्य को आकार देने वाले उभरते रुझानों, अवसरों तथा सहयोगात्मक मार्गों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ग्लोबल सीईओ फोरम और मंत्रिस्तरीय पूर्ण सत्र के अलावा 13 विषयगत सत्र होंगे, जिनमें हवाई अड्डे, विमान पट्टे पर देना, हेलीकॉप्टर, एयरलाइंस, विमानन में महिलाएं, एमआरओ, हवाई माल परिवहन, व्यावसायिक विमानन और छोटे विमान, विमान घटक निर्माण, सतत विमानन ईंधन (एसएएफ), उड़ान प्रशिक्षण और कौशल विकास, उन्नत हवाई आवाजाही और ड्रोन जैसे प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा।

सशक्त अंतरराष्ट्रीय एवं राज्य-स्तरीय सहभागिता

'विंग्स इंडिया 2026' में कई देशों के मंत्री स्तरीय विदेशी प्रतिनिधिमंडल और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, साथ ही 20 से अधिक देशों के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल भाग लेंगे, जिससे विमानन क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वय को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय राज्यों की सक्रिय भागीदारी से देश भर के विमानन आधारित विकास, निवेश के अवसर और अवसंरचना विकास का प्रदर्शन किया जाएगा।

भव्य हवाई करतब प्रदर्शन एवं विमान प्रदर्शनी

विंग्स इंडिया 2026 में विभिन्न प्रकार के विमानों को प्रदर्शित करते हुए, शानदार स्थिर विमान प्रदर्शन, उड़ान प्रदर्शन तथा एरोबेटिक हवाई करतब आयोजित किए जाएंगे। प्रमुख आकर्षणों में भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम द्वारा प्रस्तुत हवाई प्रदर्शन शामिल होंगे।

यह आयोजन प्रदर्शनी, शैलेट तथा बी2बी/बी2जी बैठकों के लिए समर्पित मंच उपलब्ध कराएगा, जिससे व्यावसायिक नेटवर्किंग और साझेदारियों तथा निवेशों से संबंधित चचाएँ सुगम हो सकेंगी। विमानन रोजगार मेला उद्योग जगत के नेताओं को विमानन पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े युवा पेशेवरों और कुशल प्रतिभाओं से जोड़ने का काम करेगा।

छात्रों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई नागर विमानन नवाचार चुनौती का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य छात्रों और युवा पेशेवरों में नवाचार, समस्या-समाधान तथा उद्योग-उन्मुख सोच को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ, उन्हें वास्तविक विमानन चुनौतियों तथा अवसरों से अवगत कराना भी है।

इस आयोजन में भारत की समृद्ध विरासत को प्रतिबिंबित करने वाले रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल होंगे, जो इस कार्यक्रम में प्रतिनिधियों तथा आगंतुकों को विमानन प्रदर्शनों के साथ-साथ एक विशिष्ट अनुभव प्रदान करेंगे।

नागर विमानन क्षेत्र में उत्कृष्टता और उल्लेखनीय योगदान को मान्यता देने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एक प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह का भी आयोजन किया जाएगा।

अपने व्यापक स्तर, विविधता और रणनीतिक दृष्टि के साथ, विंग्स इंडिया 2026 एक ऐतिहासिक आयोजन के रूप में उभरने जा रहा है, जो न केवल भारत की विमानन विकास गाथा को प्रदर्शित करेगा, बल्कि वैश्विक साझेदारियों को सुदृढ़ करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा नागर विमानन क्षेत्र की भावी दिशा को रेखांकित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

समकालीन वैश्विक चुनौतियों पर दूसरा वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन 24-25 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शिखर सम्मेलन का उद्घाटन कर सकते हैं

(जीएनएस)।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ (आईबीसी), भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से, 24 और 25 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में दूसरा वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन (जीबीएस) आयोजित करेगा।

आधुनिक दुनिया तेजी से सामाजिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय बदलाव देख रही है, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष, अलगाव और अनिश्चितता पैदा हो रही है। इस संदर्भ में, करुणा, ज्ञान और सद्भाव में निहित बुद्ध धम्म का कालातीत ज्ञान, समकालीन वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान करता है। सामूहिक ज्ञान, एकजुट आवाज और आपसी सह-अस्तित्व के सिद्धांत शांति, साझा समृद्धि और गहरे मानवीय जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बने हुए हैं।

इन्हीं मूलभूत विचारों के आधार पर, दूसरा वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसका विषय है-"सामूहिक ज्ञान, एकजुट आवाज और आपसी सह-अस्तित्व"। यह विषय सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने और रचनात्मक अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव को बढ़ावा देने में बौद्ध दर्शन की प्रासंगिकता को मजबूत करना चाहता है।

आईबीसी के आदर्श वाक्य - "सामूहिक ज्ञान, एकजुट आवाज" के अनुरूप, शिखर सम्मेलन को वैश्विक मंच के रूप में देखा गया है जो संगठन की एकता, संवाद और सामूहिक ज्ञान

के प्रति स्थायी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। 2023 में आयोजित पहले शिखर सम्मेलन की तरह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शिखर सम्मेलन का उद्घाटन कर सकते हैं।

इस शिखर सम्मेलन में दुनिया भर से लगभग 200 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। उनमें सुप्रीम पैट्रिआर्क, राष्ट्रीय बौद्ध संघों के प्रमुख, जाने-माने भिक्षु, विद्वान और वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे, और कुल मिलाकर 800 से ज्यादा प्रतिभागी होंगे।

दूसरा जीबीएस राज्य नेताओं, संघ के सदस्यों, धम्म का पालन करने वालों और बौद्ध विद्वानों को एक साथ लाएगा ताकि आज मानवता के समक्ष कुछ सबसे बड़ी चुनौतियों पर बौद्ध दृष्टिकोण से चर्चा की जा सके। चर्चा में यह पता लगाया जाएगा कि बुद्ध धम्म के मौलिक मूल्य कैसे तेजी से तकनीकी प्रगति, उपभोक्तावाद और पर्यावरण गिरावट वाले युग में नैतिक नेतृत्व, सामाजिक सद्भाव और स्थायी जीवन को प्रेरित कर सकते हैं।

कार्यक्रम का विवरण

- विषयः सामूहिक ज्ञान, एकजुट आवाज, और आपसी सह-अस्तित्व
- तिथिः 24-25 जनवरी 2026
- स्थानः भारत मंडपम, नई दिल्ली - 110001

मुख्य पैनलिस्ट और वक्ताओं में शामिल हैंः

- महामहिम श्री मारिस संगियामपोंगसा, पूर्व विदेश मंत्री, थाईलैंड साम्राज्य
- परम पूजनीय थिच डुक थिएन, पद्म श्री, वियतनाम की नेशनल असेंबली के सदस्य और उपाध्यक्ष और महासचिव, वियतनाम बौद्ध संघ
- महामहिम ग्येलट्रुल जिग्मे रिनपोछे, अध्यक्ष, रिगॉन थुप्टेन माइंड्रोलिंग मठ, भारत
- महामहिम द्ज़ोंगसर जामयांग खेंत्से रिनपोछे, संस्थापक, सिद्धार्थ इंटेंट, भूटान
- परम आदरणीय अशिन कुमारा, प्रो रेक्टर, सितागू अंतरराष्ट्रीय बौद्ध अकादमी, म्यांमार
- प्रोफेसर डॉ. सुबरन लाल बजराचार्य, कुलपति, लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, नेपाल
- रेव्ह. कोशो टोमिओका, निदेशक, जापान बौद्ध महासंघ, जापान
- मास्टर शिह जियान-यिन, महासचिव, ताइवान बौद्ध संघ
- वेन. आनंद भंते, महासचिव, महाबोधि सोसाइटी, बेंगलुरु, भारत
- प्रो. रॉबर्ट थुरमन, पद्म श्री पुरस्कार विजेता और जाने-माने बौद्ध विद्वान, संयुक्त राज्य अमरीका
- कई अन्य प्रतिष्ठित प्रतिभागी

विषयगत सत्र

निम्नलिखित पाँच मुख्य विषयों पर चर्चा आयोजित की जाएँगीः

1. सामाजिक सद्भाव के लिए सामूहिक ज्ञान और एकजुट आवाज
2. बुद्ध धम्म में उद्यमिता और सही आजीविका
3. बुद्ध धम्म में वैज्ञानिक अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा और स्थायी जीवन
4. बुद्ध धम्म के प्रकाश में सीखना
5. संघ की गतिशीलताः बुद्ध धम्म में भूमिकाएँ, रीति-रिवाज और अभ्यास

प्रदर्शनियाँ और विशेष आकर्षण

शिखर सम्मेलन में कई प्रदर्शनियाँ भी होंगी, जिनमें शामिल हैंः

- समकालीन भारत में पवित्र अवशेष और सांस्कृतिक जुड़ाव
- विरासत से विश्व तकः भारत का बुद्ध धम्म आउटरीच

इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण एनओआरबीयू (न्यूरल ऑपरेटर फॉर रिस्पॉन्सिबल बुद्धिस्ट अंडरस्टैंडिंग) का लाइव प्रदर्शन होगा - यह उँ३ॠढळ एल्गोरिदम पर आधारित भाषा सीखने का मॉडल है। व्यापक बौद्ध ग्रंथों के डेटा पर प्रशिक्षित, एनओआरबीयू को कई भाषाओं में बौद्ध शिक्षाओं के आधार पर प्रासंगिक प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करने के लिए डिजाइन किया गया है। आईबीसी ने एनओआरबीयू को अपना ग्लोबल संरक्षक बनाया है और इसे 'कल्याण मित्र' (आध्यात्मिक मित्र) नाम दिया है, जो टेक-सेवी युवाओं को बौद्ध ज्ञान से जोड़ने की अपनी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

पहले बौद्ध शिखर सम्मेलन का परिचय

पहला वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन 20-21 अप्रैल 2023 को नई दिल्ली में हुआ, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि थे। इस शिखर सम्मेलन में 31 देशों के 170 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिनमें संघों के सर्वोच्च प्रमुख, आध्यात्मिक गुरु, जाने-माने विद्वान और आम लोग शामिल थे। 'समकालीन चुनौतियों के जवाबः दर्शन से व्यवहार तक' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में आधुनिक सामाजिक मुद्दों पर बौद्ध सिद्धांतों को लागू करने पर सार्थक बातचीत हुई।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ (आईबीसी) का परिचय

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ (आईबीसी) ग्लोबल बौद्ध अम्ब्रेला संगठन है जिसका मुख्यालय भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में नई दिल्ली में है। 2011 में सर्वोच्च बौद्ध धार्मिक पदानुक्रम के संरक्षण में स्थापित, आईबीसी के 300 से ज्यादा मठवासी और आम संगठनों की ग्लोबल सदस्यता है। "सामूहिक ज्ञान, एकजुट आवाज" के आदर्श वाक्य से एकजुट, आईबीसी का लक्ष्य बौद्ध मूल्यों को वैश्विक चर्चा में शामिल करना है, जो दुनिया भर में परंपराओं, लिंगों और उभरते बौद्ध समुदायों में पारदर्शिता, समावेशिता और संतुलित प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देता है।

रक्षा सचिव ने एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर का दौरा किया

(जीएनएस)।

रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह ने आज दिल्ली कैंट स्थित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) 2026 का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कैडेट्स द्वारा प्रस्तुत किए गए शानदार प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन कैडेट्स की लगन, प्रतिभा, अनुशासन और उत्साह को दशार्ता है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और एनसीसी के ध्येय वाक्य 'एकता और अनुशासन' का जीवंत प्रतिबिंब है।

पिछले सात दशकों में एनसीसी द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना करते हुए, रक्षा सचिव ने रेखांकित किया कि एनसीसी ने युवा मानस को अनुशासन, निस्वार्थ सेवा और राष्ट्रीय गौरव के मूल्यों के साथ ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में संगठन के सक्रिय योगदान पर जोर दिया। रक्षा सचिव ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नागरिक सुरक्षा कर्तव्यों में एनसीसी कैडेट्स द्वारा दिखाए गए असाधारण

साहस और समर्पण की प्रशंसा की। साथ ही, उन्होंने यमुना सफाई अभियान, रक्तदान शिविर और केरल के वायनाड में आई बाढ़ के दौरान राहत कार्यों जैसी सरकारी पहलों में उनके उत्कृष्ट योगदान को भी सराहा। कैडेट्स की बहुमुखी प्रतिभा का उल्लेख करते हुए उन्होंने शूटिंग, हॉकी और घुड़सवारी जैसे खेलों में उनकी उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने पर्वतारोहण, नौकायन और पैराशूटिंग जैसी साहसिक गतिविधियों पर एनसीसी के ध्यान की भी प्रशंसा की, जो युवाओं को फिटनेस, अनुशासन और दृढ़ता की ओर प्रेरित करने में मदद करते हैं।

अपने संबोधन के समापन में, श्री राजेश कुमार सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि एनसीसी द्वारा विकसित किए गए मूल्य जीवन भर बने रहते हैं और ऐसे जिम्मेदार नेतृत्वकताओं का निर्माण करते हैं जो स्पष्ट सोच रख सकते हैं, न्यायपूर्ण कार्य कर सकते हैं और ईमानदारी व सत्यनिष्ठा को बनाए रख सकते हैं। कैडेट्स को विकसित भारत के वास्तुकार के रूप में वर्णित करते हुए, उन्होंने उन्हें विनम्र, साहसी, जिज्ञासु और राष्ट्रीय आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के भाग के रूप में, रक्षा सचिव को कैडेट्स द्वारा विभिन्न सामाजिक जागरूकता विषयों पर आधारित 'फ्लैग एरिया' और 'हॉल ऑफ फेम' में प्रदर्शित एनसीसी के समृद्ध इतिहास और उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कैडेट्स ने स्टैटिक फंक्शनल शिप और एयरो मॉडलिंग के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया।

भारत में नदी और मुहाना क्षेत्र में पाई जाने वाली डॉलफि न के व्यापक क्षेत्र के आकलन का दूसरा अभियान बिजनौर से शुरू किया गया

(जीएनएस)।

पिछले वर्ष मार्च में गुजरात के गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) में प्रधानमंत्री श्री नरें द्र मोदी द्वारा पहले दौर के गणना अनुमान के परिणाम जारी किए जाने के बाद अब देश में डॉलफि न के संरक्षण को आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने आज उत्तर प्रदेश के बिजनौर से प्रोजेक्ट डॉलफि न के तहत नदी एवं मुहाना क्षेत्र में पाई जाने वाली डॉलफि न का दूसरा व्यापक अनुमान शुरू किया।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने पिछले वन्यजीव सप्ताह के दौरान देहरादून में डॉलफि न की अखिल भारतीय गणना और उसके गणना प्रोटोकॉल के दूसरे चरण का शुभारंभ किया था। इस कार्यक्रम का समन्वय भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), देहरादून द्वारा राज्य वन विभागों और सहयोगी संरक्षण संगठनों डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया, आरण्यक और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के सहयोग से किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के 13 जिलों के वन

कर्मचारियों के लिए कल बिजनौर में एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई थी। इसमें सर्वेक्षण की प्रगति के साथ-साथ मानकीकृत क्षेत्रीय क्षमता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक 10-15 जिलों के लिए समय-समय पर आगे प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

सर्वेक्षण की शुरूआत तीन नावों में सवार 26 शोधकताओं के साथ हुई जिन्होंने पारिस्थितिक और पर्यावास संबंधी मापदंडों को रिकॉर्ड किया और जलमग्न ध्वनिक निगरानी के लिए हाइड्रोफोन जैसी तकनीकों का उपयोग किया। पहले चरण में सर्वेक्षण बिजनौर से गंगा सागर तक गंगा के मुख्य भाग और सिंधु नदी क्षेत्र में किया जाएगा। दूसरे चरण में यह ब्रह्मपुत्र, गंगा की सहायक नदियों, सुंदरबन और ओडिशा को समाहित करेगा।

गंगा नदी डॉल्फिन के अलावा सर्वेक्षण में सिंधु नदी डॉल्फिन और इरावदी नदी डॉल्फिन की स्थिति का आकलन किया जाएगा। इसके साथ ही उनके आवास की स्थिति खतरों और उनसे संबंधित संरक्षण-प्राथमिकता वाले जीवों का भी अध्ययन किया जाएगा। यह पहल भारत के नदी पारिस्थितिकी तंत्रों के लिए साक्ष्य-आधारित संरक्षण योजना और नीतिगत कार्रवाई का समर्थन करने के लिए ठोस वैज्ञानिक आंकड़े उत्पन्न करेगी।

पिछले राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण (2021-23) में भारत में लगभग 6,327 नदी डॉलफि न की गणना कर उनकी संख्या दर्ज की गई, जिनमें गंगा, यमुना, चंबल, गंडक, घाघरा, कोसी, महानंदा और ब्रह्मपुत्र नदियों में पाई जाने वाली गंगा नदी डॉलफि न और ब्यास नदी में पाई जाने वाली सिंधु नदी डॉलफि न की अपेक्षाकृत कम संख्या शामिल है। उत्तर प्रदेश और बिहार में इनकी संख्या सबसे अधिक थी, उसके बाद पश्चिम बंगाल और असम का स्थान था जो डॉलफि न के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए गंगा बेसिन के महत्व को दशार्ता है।

भारतीय नौसेना का पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन सिंगापुर के चांगी नौसेना बेस पर पहुंचा

यह यात्रा आसियान-भारत समुद्री सहयोग और आईओएनएस के भारत के वर्तमान नेतृत्व के अनुरूप है

(जीएनएस)।

भारतीय नौसेना का पहला प्रशिक्षण स्क्वाड्रन (1टीएस), जिसमें आईएनएस तीर, आईएनएस शार्दुल, आईएनएस सुजाता और भारतीय तटरक्षक जहाज सारथी शामिल हैं, 15 जनवरी 2026 को चांगी नेवल बेस, सिंगापुर पहुंचा। स्क्वाड्रन दक्षिण पूर्व हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में प्रशिक्षण तैनाती पर है।

यह तैनाती इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि वर्ष 2026 को 'दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संघ (आसियान) - भारत समुद्री सहयोग वर्ष 2026' के रूप में मनाया जा रहा है।

इस यात्रा के दौरान, भारतीय नौसेना और सिंगापुर गणराज्य की नौसेना (आरएसएन) के कर्मी क्षमता बढ़ाने और समुद्री सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से कई बंदरगाह से संबंधित कार्यों और पेशेवर बातचीत में शामिल होंगे। दोनों नौसेनाओं के प्रशिक्षुओं के बीच व्यवस्थित प्रशिक्षण का आदान-प्रदान, संयुक्त योग सत्र और खेल आयोजनों की एक भी योजना बनाई गई है।

सांस्कृतिक बातचीत में सिंगापुर में प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर भारतीय नौसेना बैंड द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा। ये जहाज स्कूली बच्चों के प्रवास के दौरान उनके दौरे के लिए खुले रहेंगे।

सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने आगमन पर 1टीएस के प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की। वरिष्ठ अधिकारी 1टीएस और कमांडिंग अधिकारियों ने समुद्री प्रशिक्षण और सिद्धांत कमान (एमटीडीसी) के कमांडर से भी मुलाकात की। इंटरनेशनल फ्यूजन सेंटर के अंतर्राष्ट्रीय संपर्क अधिकारियों की एक टीम द्वारा यात्रा के दौरान पेशेवर अनुभव साझा किए गए।

यात्रा के दूसरे दिन कम्युनिटी से और रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर नेवी के साथ बातचीत हुई। इन्फॉर्मेशन फ़्यूजन सेंटर और आरएसएन संग्रहालय का भ्रमण, मैत्रीपूर्ण खेल कार्यक्रम, और श्री नारायण ओल्ड एज एंड नर्सिंग होम में एक आउटरीच कार्यक्रम मुख्य आकर्षण थे।

यह यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट नीति को आगे बढ़ाने के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ मजबूत समुद्री साझेदारी और निरंतर जुड़ाव को मजबूत करती है। यह दोनों नौसेनाओं के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग को भी बढ़ाता है, इंडियन ओशियन नेवल सिम्पोजियम (आईओएनएस) के लिए भारत के नेतृत्व और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है, साथ ही साथ यह महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) के दृष्टिकोण के अनुरूप समुद्री सहकारी जुड़ाव को मजबूत करने में एक

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

यूपी में माइक्रो इरिगेशन को बढ़ावा, गोरखपुर और संतकबीर नगर में बन रहीं पायलट परियोजनाएं

गोरखपुर व संतकबीर नगर में राप्ती और कुवानो नदी क्षेत्र में माइक्रो इरिगेशन का विकास

जल संरक्षण के साथ किसानों को मिलेगा कम लागत में अधिक उत्पादकता का लाभ

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं व जल उपयोग दक्षता का विस्तार करने के उद्देश्य से माइक्रो इरिगेशन को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है। इस दिशा में विभाग केंद्र सरकार की मॉडर्नाइजेशन ऑफ कमांड एरिया डेवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट

(एमसीएडीडब्लूएम) परियोजना के तहत गोरखपुर और संत कबीर नगर जिलों में माइक्रो इरिगेशन की पायलट परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है।

ये पायलट परियोजनाएं गोरखपुर में कलपईचा/रामगढ़ ताल व राप्ती नदी क्षेत्र में, जबकि संतकबीर नगर में कुवानो नदी क्षेत्र में बनाई जा रही हैं, जो माइक्रो इरिगेशन की पीपीआईएन (प्रेशराइज्ड पाइप्ड इरिगेशन नेटवर्क) तकनीक के जरिए जल उपयोग की दक्षता में लगभग 75 प्रतिशत की वृद्धि लाएंगी। पायलट परियोजनाओं के सफल संचालन के आधार पर इसका विस्तार प्रदेश के अन्य जनपदों में भी किया जाएगा, जो किसानों के लिए लाभप्रद होने के साथ प्रदेश में कृषि क्षेत्र में सतत विकास सुनिश्चित करेगी।

गोरखपुर और संतकबीर नगर में हो रहा निर्माण

सिंचाई विभाग केंद्रीय परियोजना के तहत गोरखपुर और संत कबीर नगर में कुल छह पायलट परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है।

मतदाताओं के लिए जिला प्रशासन आया एक्शन मोड़ में : आज जनपद के सभी बूथों पर लगेंगे कैंप

कलैक्ट्रेट सभागार में पत्रकार को जानकारी देते हुए डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह, साथ में एडीएम वित्त एवं राजस्व पंकज वर्मा

-मतदाताओं की समस्याओं का होगा तुरंत समाधान

मथुरा । मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जिला प्रशासन टॉप गियर में आ गया है। आज जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर प्रशासन मेगा कैंप का आयोजन करा रहा है। कैंप में वोट जोड़ने, हटाने और संशोधन से संबंधित सभी समस्याओं का तुरंत निस्तारण किया जाएगा। इसके बाद 31 जनवरी और 1 फरवरी को भी जनपद में विशेष कैंप लगाए जाएंगे। जानकारी के अनुसार कलैक्ट्रेट सभागार में जानकारी देते हुए डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह ने जनपद के सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने-अपने बूथ केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची से जुड़ी त्रुटियों को ठीक कराएं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी नागरिकों के पास वोटर आईडी होना जरूरी है तथा इसे कोई भी व्यक्ति नजरअंदाज न करे। उन्होंने बताया कि 6 जनवरी को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित की जा चुकी है, जिस पर 6 फरवरी तक आपत्ति दर्ज करायी जा सकती है। कहा कि जनपद में कुल

11 सौ 7 मतदान केंद्र और 24 सौ 2 मतदेय स्थल निर्धारित हैं। अभी तक फार्म नंबर 6 नए वोट बढ़ाने के लिए 23 हजार 142 फॉर्म जमा हुए हैं। फॉर्म 7 (नाम हटाने) के लिए करीब 6 सौ, फॉर्म 8 (नाम एवं पता संशोधन) के 8 हजार 3 सौ 92 फार्म जमा हुए हैं और 3 लाख 74 हजार नाम वोटर लिस्ट से काटे गए हैं, जिनमें मृतक तथा अनट्रेसेबल मतदाता शामिल हैं। जनपद में 11 प्रतिशत अनट्रेसेबल मतदाता मिलने पर प्रशासन सख्त हो गया है। पूरे जनपद में 5 प्रतिशत, जबकि मथुरा सदर तहसील में 11 प्रतिशत मतदाता अनट्रेसेबल पाए गए हैं। प्रशासन ने मैपिंग कार्य के लिए 160 अधिकारी लगाए हैं। केवर सदर तहसील में 66 अधिकारी नोटिस वितरण करने में जुटे हुए हैं। इसके साथ ही बीएलओ भी घर-घर पहुंच कर नोटिस पहुंचाने जाएंगे, इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा तय दस्तावेजों में से एक प्रमाणित प्रति देना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए एडीएम वित्त एवं राजस्व पंकज वर्मा को कंट्रोल रूम का प्रभारी बनाया गया है। डीएम ने कहा कि मेगा कैंप का समय आज (रविवार) सुबह 10 बजे से शाम 4:30 बजे तक

सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ मौजूद रहकर मतदाताओं की समस्याओं का समाधान करेंगे।

प्रदेश के शिक्षकों तक पहुंची मुस्कानालय की मुस्कान

खागा। ऐरायाँ ब्लॉक स्थित आदर्श प्राथमिक विद्यालय मलूकपुर का पुस्तकालय 'मुस्कानालय' अब प्रदेश स्तर पर पहचान बना चुका है। विद्यालय में समुदाय के सहयोग से स्थापित इस पुस्तकालय की तस्वीरों को राज्य स्तरीय पुस्तकालय प्रशिक्षण मॉड्यूल 'ग्रंथागार' के कवर पेज पर स्थान मिला है। साथ ही पुस्तकालय की स्थापना, उसके उद्देश्य और शैक्षिक प्रभाव को लेकर विद्यालय के आदर्श शिक्षक आनंद कुमार मिश्र द्वारा लिखे गए प्रेरणास्पद लेख को भी मॉड्यूल के आवरण पृष्ठ में शामिल किया गया है।

परिषदीय एवं माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के शिक्षकों के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन (आईएएसई), प्रयागराज द्वारा तैयार किए गए इस प्रशिक्षण मॉड्यूल में किसी ग्रामीण प्राथमिक विद्यालय की लाइब्रेरी को उदाहरण के

रूप में शामिल किया जाना एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। मॉड्यूल के कवर पेज पर 'मुस्कानालय' की तस्वीरें प्रकाशित होने से विद्यालय के शिक्षक, छात्र और स्थानीय समुदाय में खासा उत्साह है।

बीते शैक्षिक सत्र में तत्कालीन प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं आदर्श शिक्षक आनंद कुमार मिश्र ने स्थानीय समुदाय के सहयोग से इस पुस्तकालय की स्थापना की थी। यह पुस्तकालय उनके एवं सीमा बाजपेयी द्वारा संचालित मिशन मुस्कान अभियान के अंतर्गत विकसित किया गया। आनंद कुमार मिश्र ने अपने लेख में बताया है कि किस तरह सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों को पुस्तकों से जोड़ने का सतत प्रयास किया गया। पुस्तकालय को केवल किताबों का संग्रह न बनाकर बच्चों की कल्पनाशीलता, जिज्ञासा और अभिव्यक्ति को बढ़ाने का केंद्र बनाया गया। नियमित पठन गतिविधियां, कहानी पाठ, संवाद, लेखन अभ्यास और रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों के वाचन और लेखन कौशल को विकसित किया गया।

वर्तमान में प्रयागराज स्थित आईएएसई में परिषदीय एवं माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को इसी ग्रंथागार मॉड्यूल के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें 'मुस्कानालय' को एक आदर्श पुस्तकालय मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में भी इसी तरह नवाचार के साथ पुस्तकालयों को शैक्षिक गतिविधियों का केंद्र बना सकें।

इनसेट

नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की पहचान हैं आनंद कुमार मिश्र

प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के

स्वॉट टीम और कोतवाली पुलिस ने अवैध पिस्टल सप्लाई करने वाले दो बदमाश दबोचे : राजस्थान से अवैध पिस्टल खरीदकर बदमाशों को करते हैं सप्लाई

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के पास से कोतवाली पुलिस और स्वॉट टीम ने अवैध पिस्टल बेचने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए शातिरों के कब्जे से अवैध पिस्टल बरामद हुई हैं। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन एवं एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह के पर्यवेक्षण तथा सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी के नेतृत्व में कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र और स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा पुलिस टीम के साथ अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले बदमाशों की तलाश में सुराग तलाश रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के पास चाय की दुकान पर दो शातिर बदमाश, अवैध हथियारों को बेचने के लिए आए हुए हैं। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र

और स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा पुलिस टीम में चौकी प्रभारी कृष्णानगर विपिन तोमर, एसआई मुश्ताक मेहंदी, मुख्य आरक्षी प्रमोद कुमार, महेन्द्र सिंह, धर्मेन्द्र कुमार और स्वॉट टीम के मुख्य आरक्षी हरजेन्द्र सिंह, दुर्विजय सिंह, अखिल प्रताप सिंह, रमन चौधरी, योगेश कुमार और आशुतोष के साथ वहां पहुंच गए। स्वॉट टीम और कोतवाली पुलिस ने अवैध हथियार बेचने वाले बदमाशों को संयुक्त कार्रवाई करते हुए घेरा तो शातिर बदमाश भागने लगे। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे अवैध हथियार तस्कर शातिर बदमाश विनोद उर्फ पेंदू पुत्र सुखराम सिंह निवासी गांव फालैन थाना कोसीकलां और अंकित उर्फ अक्की डॉन पुत्र नरेन्द्र सिंह निवासी मोहल्ला गांगवान, कस्बा कोसीकलां थाना कोसीकलां को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों की तलाशी ली तो उनके पास से 32 बोर की तीन अवैध पिस्टल और एक 22 बोर की अवैध पिस्टल बरामद हुई हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी ने बताया कि पकड़े गए शातिर बदमाशों से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि राजस्थान के गांव मूसेपुर के रहने वाले बिंदास नाम के व्यक्ति से वह अवैध पिस्टल लेकर आते हैं और यहां लाकर अच्छे दामों में बेंच देते हैं। उन्होंने कहा कि पकड़े गए शातिर बदमाशों को राजस्थान के रहने वाले बिंदास से धीरज निवासी पाऊंड्री जिला पलवल (हरियाणा), हाल निवासी करमन होडल (हरियाणा) और मनोज निवासी करमन होडल (हरियाणा) ने मिलवाया था, जिसमें पकड़े गए शातिरों के गांव फालैन का अमन पुत्र मदन भी शामिल है।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील महसी में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

(जीएनएस)। बहराइच 17 जनवरी। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए तहसील महसी में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी आलोक प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद, जिला विकास अधिकारी राज कुमार व अन्य अधिकारियों के साथ आए हुए फरियादियों के समस्याओं की गंभीरता पूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए।

डीएम श्री त्रिपाठी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाये। डीएम ने कहा कि निस्तारण की कार्यवाही इस प्रकार की जाय कि फरियादी निस्तारण की कार्यवाही से संतुष्ट हो सके। डीएम ने निर्देशित किया जनसुनवाई में आने वाले जरूरतमन्द तथा असहाय लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाये तथा उनकी पात्रता के अनुसार योजनाओं से लाभान्वित करें।

इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय, डीएसओ नरेन्द्र तिवारी, डीपीओ निहारिका विश्वकर्मा, जिला गन्ना अधिकारी आनन्द शुक्ला, एलडीएम जितेन्द्र मंसद व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, बीडीओ, बीईओ, सीडीपीओ व थानाध्यक्ष मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि तहसील महसी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 45 में 02, मिहींपुरवा (मोतीपुर) में प्राप्त 16 में 01, कैसरगंज में 21 में 04, पयागपुर में 20 में 04, नानपारा में 30 में 06 तथा तहसील सदर में प्राप्त 12 प्रार्थना-पत्रों में से 02 का निस्तारण मौके पर किया गया।

आबकारी टीम और कोसीकलां पुलिस ने दबोचा अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर : कार से बरामद हुई अवैध शराब की खेप

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोसीकलां क्षेत्र स्थित कोटवन बॉर्डर के पास से कोसीकलां पुलिस और आबकारी टीम ने एक अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर को दबोच लिया। पकड़े गए तस्कर के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध शराब और तस्करी में प्रयुक्त कार बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी उपेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोसीकलां राजकमल सिंह और आबकारी निरीक्षक अंजली शर्मा पुलिस टीम के साथ अवैध शराब

तस्करों की तलाश में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि दिल्ली की ओर से अवैध शराब की खेप लेकर एक तस्कर आगरा की ओर जाने वाला है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजकमल सिंह और आबकारी निरीक्षक अंजली शर्मा पुलिस टीम में चौकी प्रभारी कोटवन मनोज शर्मा, मुख्य आरक्षी सतीशचन्द्र, राकेश कुमार, सौरभ और आबकारी टीम के आरक्षी के साथ कोटवन बॉर्डर पर पहुंच गए और बैरियर लगाकर सघन चेकिंग शुरू कर दी। उसी दौरान दिल्ली की ओर से तेजरफ्तार में आ रहे सोनेट कार को पुलिस टीम ने रोका तो शातिर तस्कर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा करके घेराबंदी करते हुए अन्तर्राज्यीय शराब तस्कर रविन्द्र पुत्र कृपाल सिंह निवासी गुलावद थाना हसनपुर जिला पलवल (हरियाणा) को दबोच लिया। पुलिस ने पकड़ी गई कार की चेकिंग की तो उसमें से हरियाणा निर्मित अवैध विदेशी मदिरा की 13 पेटी बरामद हुईं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

विद्युत विभाग में बड़ा प्रशासनिक बदलाव- गोरखपुर के अधीक्षण अभियंता एल.बी. सिंह बने मिजार्पुर के नवागत मुख्य अभियंता

मिजार्पुर ` उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत एक अहम प्रशासनिक निर्णय में गोरखपुर जनपद में लगभग तीन वर्षों से अधीक्षण अभियंता के पद पर तैनात रहे एल.बी. सिंह को मिजार्पुर का नया मुख्य अभियंता नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति को मिजार्पुर मंडल की विद्युत व्यवस्था के लिए एक निर्णायक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है।

संवेदनशील एवं वीआईपी जनपद गोरखपुर में अपने कार्यकाल के दौरान एल.बी. सिंह ने बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने जहां ट्रिपिंग, ओवरलोडिंग और फाल्ट की समस्याओं पर सख्त नियंत्रण किया,

वहीं राजस्व वसूली में भी ऐतिहासिक सुधार दर्ज कराया। लंबित शिकायतों के त्वरित समाधान और उपभोक्ताओं को समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराने को उन्होंने सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

अपनी स्वच्छ छवि, सख्त कार्यशैली और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए पहचाने जाने वाले एल.बी. सिंह अधिकारियों, कर्मचारियों और आम उपभोक्ताओं के बीच भरोसे का मजबूत नाम बन चुके हैं।

अब मां विंध्यवासिनी की पावन नगरी मिजार्पुर में मुख्य अभियंता के रूप में नई जिम्मेदारी संभालते हुए उनसे अपेक्षा की जा रही है कि वे यहां भी बिजली आपूर्ति को निर्बाध, विश्वसनीय और उपभोक्ता-केंद्रित बनाएंगे। राजस्व सुधार, नेटवर्क सुदृढ़ीकरण और सेवा गुणवत्ता के क्षेत्र में मिजार्पुर को एक नई पहचान दिलाने की दिशा में उनके प्रयास निर्णायक साबित हो सकते हैं।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, चालक फरार

(जीएनएस)।

प्रयागराज। प्रयागराज के चौफटका पुल पर एक बार फिर तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र केबलुआ घाट सब्जी मंडी निवासी अजीत सिंह अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान खुल्दाबाद थाना क्षेत्र में चौफटका पुल पर एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर

इतनी भीषण थी कि अजीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी और चालक ने लापरवाही से वाहन चलाया।

हादसे को अंजाम देने के बाद कार चालक मौके से अपनी कार लेकर भाग निकला। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने घायल अजीत सिंह को अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया है और परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

पुलिस अब आरोपी कार चालक और उसकी कार की तलाश में जुटी हुई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि आरोपी तक पहुंचा जा सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एआईआईए ने आयुर्वेद आधारित स्टार्टअप्स के लिए एमएसएमई अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2026 मनाया

(जीएनएस)।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस 2026 के अवसर पर अपने स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर, आयुर्वेद इनोवेशन एंड एंट्रीप्रिनियोरशिप इनक्यूबेशन सेंटर (एआईआईए-आईसीएआईएनई) के माध्यम से, नई दिल्ली परिसर में आयुर्वेद आधारित स्टार्टअप के लिए लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) अवसरों पर एक जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में नीति निमार्ता, शिक्षाविद, स्टार्टअप समर्थक और इच्छुक उद्यमी एमएसएमई और स्टार्टअप तंत्र को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ आए। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद और एकीकृत स्वास्थ्य नवाचारों पर

विशेष ध्यान दिया गया। इन सत्रों में सरकारी सहायता योजनाओं, नवाचार के लिए संस्थागत तंत्र, बौद्धिक संपदा संरक्षण, प्रमाणन और मानकीकरण आवश्यकताओं और प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप के लिए आवश्यक वित्तीय तंत्रों के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अरुण कुमार के स्वागत भाषण से हुआ। अपने संबोधन में डॉ. अरुण कुमार ने आयुर्वेद में नवाचार-संचालित उद्यमिता के बारे में बताया। एमएसएमई के उप निदेशक श्री सुनील कुमार ने आयुर्वेद आधारित उद्यमों से संबंधित एमएसएमई पहलों और सरकारी योजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। प्रो. मंजुषा राजगोपाला ने आयुर्वेद संस्थानों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के शैक्षणिक और संस्थागत दृष्टिकोण को साझा किया।

एमएसएमई के संयुक्त निदेशक डॉ. आर.के. भारती ने मुख्य भाषण दिया। उन्होंने स्टार्टअप और एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत नीति-समर्थित तंत्र विशेष रूप से पारंपरिक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों की आवश्यकता पर जोर दिया।

रविवार 1 फरवरी को भी खुलेगा शेयर बाजार, 9 साल बाद होगा वर्किंग संडे

(जीएनएस)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी, 2026 को यूनियन बजट (Union Budget) पेश करेंगी। खास बात यह है कि इस बार बजट का दिन रविवार है, लेकिन इसके बावजूद देश के प्रमुख शेयर बाजार खुले रहेंगे।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने साफ कर दिया है कि 1 फरवरी को सामान्य कारोबारी दिनों की तरह ही ट्रेडिंग होगी। यह हाल के वर्षों में एक दुर्लभ अवसर है, जब शेयर बाजार रविवार को काम करेगा।

इस दिन सिर्फ इक्विटी मार्केट ही नहीं, बल्कि फ्यूचर एंड ऑप्शंस , करेंसी डेरिवेटिव्स और कमोडिटी डेरिवेटिव्स समेत सभी सेगमेंट्स में कारोबार होगा। बजट जैसे बड़े आर्थिक आयोजन के दिन बाजार को खुला रखने का मकसद यह है कि

निवेशक बजट में की गई घोषणाओं पर तुरंत प्रतिक्रिया दे सकें।

बाजार के समय में कोई बदलाव नहीं होगा

BSE और NSE दोनों ने इस संबंध में अलग-अलग सर्कुलर जारी किए हैं। एक्सचेंजों के मुताबिक, बजट वाले दिन यानी 1 फरवरी को बाजार के ट्रेडिंग टाइम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बाजार बिल्कुल सामान्य दिनों की तरह ही खुलेगा और बंद होगा। ट्रेडिंग का शेड्यूल इस प्रकार रहेगा-

प्री-ओपन सेशनः सुबह 9:00 बजे से 9:08 बजे तक

नॉर्मल ट्रेडिंग सेशनः सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक

पोस्ट-क्लोजिंग सेशनः दोपहर 3:40 बजे से शाम 4:00 बजे तक

हालांकि, BSE ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस दिन टी+0 सेटलमेंट सेशन और सेटलमेंट डिफॉल्ट के लिए ऑक्शन सेशन नहीं होंगे। इसके अलावा क्लियरिंग और सेटलमेंट साइकिल में भी कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

2017 के बाद पहली बार रविवार को खुलेगा बाजार

यह पिछले करीब 9 वर्षों में पहला मौका होगा जब केंद्रीय बजट के लिए शेयर बाजार रविवार को खुलेगा। इससे पहले साल 2017 में भी 1 फरवरी रविवार था और उस दिन भी बाजार में ट्रेडिंग कराई गई थी। आमतौर पर शेयर बाजार शनिवार और रविवार को बंद रहते हैं, लेकिन बजट के लिए एक्सचेंज 'स्पेशल ट्रेडिंग डे' घोषित करते हैं।

NSE और BSE की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, 1 फरवरी को इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी और कमोडिटी समेत सभी सेगमेंट्स में कारोबार होगा। यानी निवेशकों और ट्रेडर्स को किसी भी तरह की पाबंदी या समय में बदलाव का सामना नहीं करना पड़ेगा।

देश में जहाँ कहीं जाऊंगा, यूपी सरकार का उदाहरण दूंगा - सूर्यकान्त

मुख्य न्यायाधीश ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में छह एकीकृत न्यायालय परिसरों की रखी आधारशिला

चंदौली। लखनऊ, भारत प्रकाश न्यूज। देश के हर नागरिक को न्याय मिलने का अधिकार थीम के तहत न्यायालय परिसर का भूमिपूजन किया गया।

शनिवार को देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में चंदौली में छह एकीकृत न्यायालय परिसरों का शिलान्यास व भूमि पूजन किया। उन्होंने इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार व उच्च न्यायालय को बधाई दी और प्रदेश सरकार के प्रयास को सराहा।

उन्होंने कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री ने 10 कोर्ट कॉम्प्लेक्स की घोषणा की है। इनमें से छह की स्थापना (शिलान्यास व भूमि पूजन) का कार्य आज शुरू हुआ है। इसके बनने से यूपी सारे भारत में उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

ये कॉम्प्लेक्स देश के लिए बेंचमार्क बनेंगे। मैं जिस भी प्रदेश में जाऊंगा, वहां यूपी सरकार का उदाहरण दूंगा। राज्य सरकारों व हाईकोर्ट से आ'न करूंगा कि वहां भी ऐसी सुविधाएं मिलें।

न्याय का मंदिर साबित होगा कोर्ट कॉम्प्लेक्स..

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह क्षेत्र अनेक ऐतिहासिक धार्मिक मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री ने उसी इतिहास में नई कड़ी जोड़ी है, जब यहां न्यायिक मंदिरों की स्थापना की जा रही है।

इंटीग्रेटेड ज्यूडिशियल कोर्ट कॉम्प्लेक्स अगले 50 वर्ष तक न्याय परिसर की आवश्यकताओं को सशक्त रूप से पूरा करने में सफल रहेंगे। हर प्रकार की सुविधाओं से युक्त इस

आदमी के लिए प्रदान की गई सुविधाएं सराहनीय हैं।

कोर्ट कॉम्प्लेक्स न्याय का मंदिर साबित होगा। यहां बैठकर न्यायिक अधिकारी मानवीय मूल्यों का ध्यान रखते हुए फरियादियों को न्याय देंगे। इसमें बार के सदस्यों की भी सक्रिय भूमिका होगी।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि संविधान में डिस्ट्रिक्ट ज्यूडिशरी को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इसमें एक अनुच्छेद है कि हर राज्य के पास अपना हाईकोर्ट होगा और उस हाईकोर्ट के पास मौलिक, मानवीय व अन्य अधिकारों को लागू करने की क्षमता होगी। संविधान निर्माताओं की सोच यही रही कि डिस्ट्रिक्ट ज्यूडिशियरी स्थापित होगी तो लोगों को अपने क्षेत्र में कोर्ट की सुविधाएं मिलेंगी।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने को किया आग्रह..

मुख्य न्यायाधीश ने हाईकोर्ट से कहा कि जनपद न्यायालयों में प्रैक्टिस करने वाली महिलाओं के लिए अलग से बार रूम बनें। उन्होंने यहां की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया कि कॉम्प्लेक्स में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी बन जाए।

इससे बुजुर्गों, वादकारियों आदि को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से भी निजात मिल जाएगी। भूमि पूजन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,

शिलान्यास व भूमि पूजन कार्यक्रम में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्र, न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, उच्च न्यायालय इलाहाबाद के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली व उत्तराखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता तथा वरिष्ठ न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने आज शनिवार को लखनऊ स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया

लखनऊ (जीएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने आज शनिवार को लखनऊ स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने बताया कि भाजपा ने दिल्ली, केरल और महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में मजबूत उपस्थिति दर्ज की, तिरुवनंतपुरम में पहली बार मेयर बनाया और 40 वर्षों के कम्युनिस्ट शासन को हटाया। भाजपा सांसद ने इंडी गठबंधन की विफलता, पश्चिम बंगाल में बीएलओ अशोक चंद्र दास की आत्महत्या, पंजाब में मीडिया पर दमन और तमिलनाडु में न्यायालिक हस्तक्षेप की घटनाओं को लोकतंत्र के लिए खतरे के रूप में बताया। डॉ. त्रिवेदी ने यह स्पष्ट किया कि देश के सामने दो विकल्प हैं, एक ओर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकास और सामाजिक समरसता और दूसरी ओर बिखरी हुई, असंगठित विपक्षी दलों का इंडी गठबंधन।

डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि विगत वर्ष में दिल्ली और उसके बाद केरल के नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई। तिरुवनंतपुरम में पहली बार भाजपा का मेयर बना है और 40 वर्षों से कम्युनिस्टों के शासन को हटाया गया। इसके साथ ही, महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में शानदार सफलता हासिल करते हुए भारतीय जनता पार्टी जिस स्थिति में पहुंची है, उससे एक बात स्पष्ट है कि विपक्षी दल, जो लगातार हार से कुंठित हैं और वोटों के लालच में घुसपैठिया परस्त हैं, अब निरंतर ध्वस्त होते चले जा रहे हैं। परंतु इसके साथ ही, इंडी गठबंधन की सरकारों का रवैया घनघोर लोकतांत्रिक विरोधी है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया इस समय पूरे देश में चल रही है और आज पश्चिम बंगाल से एक दुखद खबर आई कि वहां के बीएलओ अशोक चंद्र दास जी ने आत्महत्या की। उनकी पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार उनके ऊपर भारी दबाव था कि किसी का भी नाम न काटा जाए। अर्थात, जो संदिग्ध मतदाता हैं और जिनके पास आधिकारिक और औपचारिक दस्तावेज नहीं हैं, उनके नाम भी न काटे जाएं। पश्चिम बंगाल की सरकार द्वारा दी गई मानसिक प्रताड़ना के कारण यह घटना हुई। यह दर्शाता है कि स्वस्थ और पारदर्शी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विपक्षी दलों की आस्था नहीं है। दूसरी ओर, पंजाब में यदि मीडिया ने कोई प्रतिकूल खबर प्रकाशित की, तो वहां के न्यूजपेपर और मीडिया संस्थानों पर जिस तरह रेड की गई, लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई

लखनऊ के विकास को लेकर दिल्ली में शिष्टाचार भेंट, विभिन्न योजनाओं पर हुई चर्चा

– माननीय महापौर जी ने माननीय रक्षा मंत्री जी से की मुलाकात

दिल्ली/ लखनऊः लखनऊ के माननीय सांसद एवं देश के यशस्वी रक्षा मंत्री आदरणीय श्री राजनाथ सिंह जी से उनके दिल्ली स्थित आवास पर शनिवार को लखनऊ की माननीय महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल जी ने शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर लखनऊ शहर में संचालित एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। महापौर जी द्वारा माननीय सांसद जी को नगर में चल रही विकास परियोजनाओं, आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, स्वच्छता, यातायात एवं नागरिक सुविधाओं से संबंधित कार्यों की वर्तमान प्रगति से अवगत कराया गया। साथ ही उनके मार्गदर्शन में भविष्य की विकास योजनाओं की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया।

माननीय सांसद जी ने लखनऊ के समग्र एवं सतत विकास के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उनका स्नेह, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा लखनऊ के विकास कार्यों को नई दिशा प्रदान करने के साथ जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करती है।

अमेठी-भद्दौर डबल मर्डर केस में मुख्य आरोपी राहुल यादव को हाईकोर्ट से जमानत, मामले में आया नया मोड़

अमेठी/सुल्तानपुर। वर्ष 2023 में अमेठी जनपद के मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पूरे सधई राम मजरे भद्दौर में हुए बहुचर्चित डबल मर्डर मामले में हाईकोर्ट ने मुख्य आरोपी राहुल यादव की जमानत याचिका स्वीकार कर ली है। यह मामला 27 फरवरी 2023 का है, जब सुरेश यादव (राजस्व संग्रह अमीन) एवं बृजेश यादव की दादरा रोड पर घर लौटते समय मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने गोली मारकर एवं बम से हत्या कर दी थी। इस जघन्य वारदात से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई थी।

पुलिस ने शुरुआत में इस हत्याकांड में पांच लोगों को नामजद किया था, बाद में जांच के दौरान पंचायत चुनाव से जुड़े पुराने विवाद को कारण मानते हुए कुल 14 आरोपियों को मामले में शामिल किया गया। इनमें जलालुद्दीन खान, मोइनुद्दीन खान, संजय यादव, वसीर खान, अंकित यादव और डब्बू यादव को पहले ही जमानत मिल चुकी है। जांच में गोली मारने की मुख्य भूमिका राहुल यादव की बताई गई थी।

हाईकोर्ट में जमानत पर सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुखदेव सिंह ने मजबूती से पक्ष रखा। अदालत ने सह-आरोपियों को मिली जमानत, उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों को देखते हुए राहुल यादव को जमानत देने का आदेश दिया। कोर्ट के इस फैसले के बाद मामले में नया कानूनी मोड़ आ गया है, हालांकि अभियोजन पक्ष ने स्पष्ट किया है कि मुकदमे की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी।

'तू कैसा बाप है? तू बेवकूफ है', गोविंदा को लेकर सरेआम ये क्या बोल गईं सुनीता आहूजा? वायरल बयान ने मचाई सनसनी

(जीएनएस)। बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा का रिश्ता बीते एक साल से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। कभी तलाक की अटकलें, तो कभी गोविंदा के कथित एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर (एव३१' टं३' आां१) की चर्चाएं, ये मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है।

सुनीता आहूजा और गोविंदा का रिश्ता

हालांकि सुनीता आहूजा कई बार तलाक की खबरों को सिरे से खारिज कर चुकी हैं लेकिन गोविंदा के अफेयर को लेकर उन्होंने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। वह कई बार पति गोविंदा के खिलाफ बात करती दिखाई दी हैं।

गोविंदा के अफेयर की अफवाहों पर सुनीता आहूजा का तंज

मिस मालिनी को दिए एक इंटरव्यू के पॉडकास्ट प्रोमो में सुनीता आहूजा ने एक बार फिर अपने पति गोविंदा के कथित अफेयर की ओर इशारा किया है। हालांकि पूरा इंटरव्यू अभी रिलीज नहीं हुआ है लेकिन प्रोमो में सुनीता

आहूजा का बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

'ऐसी लड़कियां बहुत आती हैं पर तुम बेवकूफ हो'

सुनीता आहूजा प्रोमो में कहती हैं- ऐसी लड़कियां बहुत आती हैं लेकिन तुम थोड़े बेवकूफ हो। तुम 63 साल के हो चुके हो। तुम्हें बेटी टीना की शादी करनी है, बेटे यशवर्धन का करियर देखना है। इतना ही नहीं सुनीता आहूजा ने ये भी साफ कहा- मैं गोविंदा को माफ नहीं करूंगी। सतर्क हो जा बेटा, अभी भी।

बेटे यशवर्धन आहूजा के करियर को लेकर शॉकिंग खुलासा

इंटरव्यू के दौरान सुनीता आहूजा ने बेटे यशवर्धन आहूजा के करियर को लेकर भी बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि बेटे को आज तक अपने पिता से किसी तरह का सपोर्ट नहीं मिला है।

'मैंने गोविंदा के मुंह पर कहा है कि तू बाप है?'

-सुनीता ने कहा- गोविंदा के बेटे होने के बावजूद उसने कभी ये नहीं कहा कि पापा मेरी मदद करो और पिता गोविंदा ने भी उसकी कोई मदद नहीं की। सुनीता आहूजा ने गुस्से में यहां तक कह दिया- मैंने गोविंदा के मुंह पर कहा है कि तू बाप है या कुछ और?

-इससे पहले साल 2025 के गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान सुनीता आहूजा ने मीडिया से बात करते हुए अपनी और गोविंदा के तलाक की खबरों को अफवाह बताया था। उन्होंने कैमरे पर कहा था- आज मीडिया के मुंह पर थप्पड़ नहीं पड़ा क्या? हम साथ में, इतने करीब खड़े हैं। अगर कुछ होता तो क्या हम इतने पास होते? मेरा गोविंदा सिर्फ मेरा है और किसी का नहीं।

साल 1987 में हुई थी गोविंदा और सुनीता की शादी

गोविंदा और सुनीता आहूजा ने साल 1987 में शादी की थी। दोनों ने अपनी शादी को 1989 में बेटी टीना आहूजा के जन्म तक छिपाकर रखा था। दशकों तक ये जोड़ी बॉलीवुड के सबसे चर्चित और मजबूत कपल्स में गिनी जाती रही है लेकिन हाल के विवादों ने उनके रिश्ते को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है।

ग्रीनलैंड की डील नहीं हुई तो विरोध करने वाले 8 यूरोपीय देशों पर ट्रंप ने फोड़ा टैरिफ बम

(जीएनएस)। डोनाल्ड ट्रम्प अक्सर व्यापार शुल्कों को मोलभाव के हथियार के रूप में इस्तेमाल करते रहे हैं। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड डील का विरोध करने वाले आठ देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। रॉयटर्स के अनुसार, उन्होंने ये भी चेतावनी दी है कि ये टैरिफ शुल्' क तब तक रहेंगे जब तक संयुक्त राज्य अमेरिका को ग्रीनलैंड खरीदने की अनुमति नहीं मिल जाती।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर बताया कि 1 फरवरी, 2026 से 10% टैरिफ डेनमार्क (जिसका ग्रीनलैंड एक स्वशासी हिस्सा है) सहित नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम और नीदरलैंड पर प्रभावी होंगे।

ट्रंप ने जून तक 25 फीसदी टैरिफ लगाने की दी धमकी

ट्रंप ने स्पष्ट किया कि ये शुल्क 1 जून, 2026 को बढ़कर 25% हो जाएंगे और अमेरिका के ग्रीनलैंड खरीदने का समझौता होने तक लागू रहेंगे। ट्रम्प का यह कदम ग्रीनलैंड पर उनके प्रबल इरादों को दर्शाता है।

अपने पोस्ट में ट्रम्प ने लिखा, "हमने डेनमार्क और यूरोपीय संघ के सभी देशों को कई सालों तक टैरिफ या किसी अन्य भुगतान से छूट देकर सब्सिडी दी है। अब, सदियों बाद, यह डेनमार्क के लिए वापस देने का समय है - विश्व शांति दांव पर है!"

ट्रंप ने इस दावे को भी दोहराया कि चीन और रूस ग्रीनलैंड "चाहते हैं", और "डेनमार्क इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता"। स्कैंडिनेवियाई देश की रक्षा क्षमता पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने टिप्पणी की, "उनके पास वर्तमान में सुरक्षा के लिए दो डॉगस्लेड हैं, जिनमें से एक हाल ही में जोड़ा गया है।"

"कोई इस पवित्र भूमि को नहीं छुएगा"

स्वयं को सभी बड़े अक्षरों में तीसरे व्यक्ति में संदर्भित करते हुए, उन्होंने आगे लिखाः "केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प के नेतृत्व में, ही इस खेल में बहुत सफलतापूर्वक खेल सकता है!" ट्रम्प ने यह भी कहा कि वह सुनिश्चित कर सकते हैं कि "कोई इस पवित्र भूमि को नहीं छुएगा"।

उनके अनुसार, यह अमेरिका और बड़े पैमाने पर दुनिया की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए "दांव पर है"। उन्होंने तर्क दिया कि ग्रीनलैंड का अधिग्रहण वैश्विक सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अन्यथा स्थिति गंभीर हो सकती है।

'बलात्कार से मिलता है तीर्थ का फल', कौन है कांग्रेस विधायक बरैया? जिसने की आपत्तिजनक बातें, वीडियो वायरल

(जीएनएस)। मध्य प्रदेश के कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदाय की महिलाओं पर ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी की है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। मध्य प्रदेश की भांडेर सीट से विधायक बरैया जो कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के करीबी नेताओं में गिने जाते हैं, उनकी जमकर आलोचना हो रही है।

फूल सिंह बरैया ने अपने हालिया इंटरव्' यू में कहा कि महिलाएं खूबसूरत होती हैं, इसी कारण बलात्' कार का शिकार होती है। इसके साथ ही उन्होंने व्याख्' या की कि, विशेषकर वंचित वर्गों - दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की स्त्रियां खूबसूरत नहीं होतीं, लेकिन उनके साथ बलात्' कार किसी ने उन्हें नहीं रोका।' पात्रा ने आरोप लगाया कि यह बयान सनातन धर्म, मानवता और बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान है। उन्होंने प्रियंका गांधी से प्रतिक्रिया की उम्मीद जताई, पर राहुल गांधी से कोई आस नहीं रखी।

कांग्रेस विधायक बरैया ने क्या कहा?

दरअसल, मध्यप्रदेश के विधायक बरैया ने ये सारी बातें इंटरव्यू में कहीं हैं। उन्होंने कहा, "मेरा कहने का मतलब है, बलात्कार का सिद्धांत यह है कि आदमी रास्ते में जा रहा है और उसे अगर खूबसूरत लड़की दिखाई दी, सुंदर, अति सुंदर तो उसका दिमाग विचलित हो सकता है। तो बलात्कार हो सकता है लेकिन जो स्त्रियां सुंदर नहीं होतीं, उनके साथ बलात्कार सिर्फ इसलिए किया जाता है ताकि 'तीर्थ जाने का फल' प्राप्त हो सके।

व्' यों होता है?

भाजपा के निशाने पर आई कांग्रेस

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस आपत्तिजनक बयान पर कहा, 'बरैया विधायक और सम्मानित पद पर हैं, राहुल-प्रियंका के करीबी हैं। दिग्विजय सिंह भी मौजूद थे, पर

'बलात्कार से मिलता है तीर्थ का फल'

इंटरव्यू में बरैया ने ये भी कहा कि भारत में सबसे अधिक बलात्कार अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के साथ होते हैं। उन्होंने इसका कारण "धर्म ग्रंथों" में दिए गए निर्देशों को बताया। हालांकि ये किस धर्म ग्रंथ में लिखा गया है, इस प्रश्न का जवाब बरैया ने नहीं दिया।

बरैया ने कहा 'जो तीर्थ नहीं जा पाता तो...'

बरैया ने सीधा उत्तर देने के बजाय संस्कृत में एक श्लोक सुनाया और समझाया कि "धर्म ग्रंथों" में किसी विशेष जाति की महिला से संबंध बनाने पर "इस तीर्थ का फल" मिलेगा। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, "अब जो तीर्थ नहीं जा पाता तो घर में बैठे विकल्प क्या दिया गया? घर बैठे इनकी औरतों को पकड़कर संबंध बनाओ तो ये फल मिल जाएगा?"

बरैया बोले- 'महिला की सहमति के बिना उसके साथ...'

बरैया ने इंटरव्यू में आगे यह दावा किया कि किसी महिला की सहमति के बिना उसके साथ शारीरिक संबंध बन ही नहीं सकते।

2.03 से 6.81 लाख करोड़ तक!मोदी राज में 3 गुना बढ़ा भारत का रक्षा बजट

(जीएनएस)। भारत की सुरक्षा चुनौतियों और वैश्विक कूटनीति के बदलते स्वरूप के बीच, देश का रक्षा बजट अब एक नए ऐतिहासिक शिखर पर पहुंच गया है। पिछले एक दशक के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो यह साफ होता है कि सरकार ने न केवल सीमाओं की सुरक्षा, बल्कि सैन्य आधुनिकीकरण और 'आत्मनिर्भर भारत' को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया है।

साल 2015-16 में जहां रक्षा आवंटन महज 2.46 लाख करोड़ रुपये था, वहीं 2025-26 तक इसके 6.81 लाख करोड़ रुपये के पार जाना भारत की बढ़ती सामरिक शक्ति और भविष्य की तैयारियों का बड़ा संकेत है। इस विशेष रिपोर्ट में हम विस्तार से जानेंगे कि कैसे पिछले 10 वर्षों में भारत का रक्षा बजट लगभग ढाई गुना बढ़ गया और इसके पीछे के रणनीतिक कारण क्या हैं।

10 साल में 3 गुना से ज्यादा का उछाल, 2025-26: ₹6.81 लाख करोड़ (ऐतिहासिक उच्च स्तर), 2024-25: ₹6.21 लाख करोड़, 2023-24: ₹5.93 लाख करोड़, 2022-23: ₹5.25 लाख करोड़, 2021-22: ₹4.78 लाख करोड़, 2020-21: ₹4.71 लाख करोड़, 2019-20: ₹4.31 लाख करोड़, 2018-19: ₹4.04 लाख करोड़, 2017-18: ₹3.59 लाख करोड़, 2016-17: ₹2.58 लाख करोड़, 2015-16: ₹2.46 लाख करोड़, 2014-15: ₹2.29 लाख करोड़ (मोदी सरकार का प्रथम बजट), 2013-14: ₹2.03 लाख करोड़ (कांग्रेस सरकार)

एक दशक में रक्षा बजट की छलांग

साल 2015-16 से लेकर 2025-26 के बीच भारत ने रक्षा खर्च में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है। 2.46 लाख करोड़ से शुरू हुआ यह सफर अब 6.81 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। आंकड़ों के अनुसार, 2020 के बाद से बजट में तेजी से इजाफा हुआ, जिसका मुख्य कारण चीन के साथ एलएसी (छ्अउ) पर बढ़ा तनाव और सेना को आधुनिक हथियारों से लैस करने की जरूरत थी। हर साल औसतन 10-12% की यह वृद्धि भारत को दुनिया के सबसे ज्यादा रक्षा खर्च करने वाले देशों की सूची में शीर्ष पर बनाए हुए है।

ये भी पढ़ें: ईध्3 2026: रविवार 1 फरवरी को भी खुलेगा शेयर बाजार, 9 साल बाद होगा वर्किंग संडे, जानें वजह

सैन्य आधुनिकीकरण पर ज्यादा खर्च

बजट का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा 'कैपिटल आउटले' (उंप्र३' ड४३'८) यानी पूंजीगत व्यय है। यह वह पैसा है जो नए राफेल विमान, युद्धपोत, मिसाइल सिस्टम और घातक ड्रोन खरीदने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने इस मद में बड़ी राशि आवंटित की है ताकि सेना की मारक क्षमता को आधुनिक युद्ध के अनुकूल बनाया जा सके। इससे न केवल सेना की ताकत बढ़ी है, बल्कि पुराने पड़ चुके सैन्य उपकरणों को बदलने की प्रक्रिया में भी तेजी आई है।

ये भी पढ़ें: ऑील्ए ईध्3 2026: ऑपरेशन सिंदूर-2.0 की आहट! भारत का डिफेंस बजट दोगुना करने की मांग क्यों-एक्सपर्ट से जानें?

स्वदेशी निर्माण पर जोर

रक्षा बजट में बढ़ोतरी का एक बड़ा फायदा घरेलू रक्षा उद्योगों को मिल रहा है। सरकार अब बजट का एक बड़ा हिस्सा भारतीय कंपनियों से हथियार खरीदने के लिए सुरक्षित रखती है। इससे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (ऌअछ) और डीआरडीओ (ऊफऊड) जैसी संस्थाओं के साथ-साथ निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी बढ़ावा मिल रहा है। 'मेक इन इंडिया' के तहत अब भारत न केवल अपनी जरूरतें पूरी कर रहा है, बल्कि रक्षा निर्यात (ऑील्ए ए९ू३१३) में भी नए रिकॉर्ड बना रहा है।

ये भी पढ़ें: ईध्3 2026: 28 जनवरी से शुरू होगा बजट सत्र, 1 फरवरी को खुलेगा वित्त मंत्री का पिटारा, क्या है इस पूरा शेड्यूल?

पेंशन और ऑपरेशनल तैयारियों पर खर्च

कुल बजट का एक बड़ा हिस्सा वेतन, पेंशन और सेना के रखरखाव (ट्रंल्ल३ील्लंल्लूी) पर भी खर्च होता है। 'वन रैंक वन पेंशन' (ड फढ) लागू होने के बाद पेंशन बिल में काफी वृद्धि हुई है, जो बजट का एक बड़ा हिस्सा है। इसके अलावा, सीमा पर तैनात जवानों के लिए रसद, ईंधन और दुर्गम क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे (सड़कें और सुरंगें) के निर्माण पर भी भारी निवेश किया जा रहा है, ताकि आपात स्थिति में सेना की पहुंच तेज और आसान हो सके।

फूल सिंह बरैया की जाति क्या है? पिछड़े वर्ग की महिलाओं पर गंदा बयान देने वाले कांग्रेस एमएलए की पत्नी-बच्चे कौन

(जीएनएस)। मध्य प्रदेश के कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया दलित, आदिवासी और ओबीसी महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक बयान देकर बुरी तरह घिर चुके हैं। बरैया ने कहा, भारत में सबसे ज्यादा दुष्कर्म अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग में होते हैं। अपनी 'रेप की थ्योरी' सुनाते हुए उन्होंने कहा कि 'कोई भी व्यक्ति रास्ते से जा रहा हो, उसे खूबसूरत लड़की दिख जाए तो दिमाग विचलित हो जाता है, रेप हो सकता है।'' यह पहली बार नहीं है जब फूल सिंह बरैया ने कोई विवादित बयान दिया हो। इससे पहले भी वह कई मौकों पर ऐसी टिप्पणी कर चुके हैं, जो विवाद का कारण बनी हैं। आइए जानते हैं दलित, आदिवासी और ओबीसी महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक बयान देने वाले बरैया की जाति क्या है और वो उनकी पत्नी और बच्चे कितने हैं?

आपको जानकर हैरानी होगी पिछड़े वर्ग की महिलाओं को लेकर ऐसा बयान देने वाले कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया खुद अनुसूचित जाति (sc) समुदाय से आते हैं।